PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Jansatta, Delhi
Sunday, 28th November 2010, Page: 3
Width: 11.22 cms Height: 11.43 cms, Ref: pmin.2010-11-28.39.18

नकली दवाओं पर नियंत्रण रखेगी सरकार: दीक्षित

जनसत्ता संवाददाता

नई दिल्ली, 27 नवंबर। मुख्यमंत्री शीला दीक्षित ने कहा कि दिल्ली सरकार नकली दवाओं की स्थिति से पूरी तरह निपटने के लिए सभी समुचित उपाय करेगी, क्योंकि ये दवाएं खतरनाक और घातक होती हैं। उन्होंने कहा कि नकली दवाओं को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने जाली दवाओं पर काबू पाने के उपायों पर गोष्ठी का उद्घाटन करते हुए यह बात कही। इस गोष्ठी का आयोजन दिल्ली सरकार के दवा नियंत्रण विभाग ने ऑल इंडिया ड्रग्स कंट्रोल आफिसर्स कंफेडरेशन के साथ मिलकर किया।

मुख्यमंत्री ने ज्यादा लाभ कमाने के मकसद से नकली दवाओं के कारोबार पर चिंता व्यक्त की। भारत दवाओं का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक है और उनके मूल्य के अनुसार इसका स्थान 13वां बनता है। इसलिए नकली दवाओं की समस्या से निपटने के लिए गंभीरता से काम किया जाना चाहिए। हाल ही में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने राष्ट्रव्यापी सर्वे किया जिससे पता चला कि खुदरा दवा व्यापार में नकली दवाओं का योगदान 0.46 फीसद बनता है। अर्थात 24,06 सैंपल में से 11 सैंपल ऐसे पाए जाते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार इस समस्या को पूरी तरह समाप्त करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगी। सरकार अपने दवा नियंत्रण विभाग को मजबूत बनाएगी और माशेलकर समिति की सिफारिशों पर विचार के बाद एक कार्य योजना बनाएगी।

इस मौके पर दिल्ली की स्वास्थ्य मंत्री प्रो किरण वालिया ने सुझाव दिया कि एक ऐसे टोल फ्री नंबर की शुरुआत की जानी चाहिए जहां आम जनता नकली दवाओं के बारे में शिकायत दर्ज करा सकें। इसके अलावा दवा बेचने के लाइसेंस से संबंधित नियमों का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। आज जरूरत इस बात की है कि एक ऐसी प्रयोगशाला भी हो जहां तेजी से संदिग्ध दवाओं के सैंपल की जांच की जा सके। इस मौके पर स्वास्थ्य सचिव राजेंद्र कुमार ने भी विचार व्यक्त किए।